प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **1 अक्तूबर / October , 2019**

सिडबी द्वारा उषा स्वावलंबन सिलाई स्कूल के तहत महिला उद्यमियों को सहायता
SIDBI supports women entrepreneurs under Usha Swavalamban Silai School

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने अपनी प्रमुख पहल मिशन स्वावलंबन के तहत, उषा इंटरनेशनल लिमिटेड (युआईएल) के साथ साझेदारी में, ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले और बिहार के गया जिले में प्रत्येक बैच में 35 महिलाओं को प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस पहल के तहत स्थापित इन केंद्रों, जिन्हें उषा स्वावलंबन सिलाई स्कूल कहा जाता है, का प्राथमिक उद्देश्य महिलाओं को सिलाई और सिलाई कौशल प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना और उन्हें उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना है। यूआईएल के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई मशीन के रखरखाव और मरम्मत के साथ-साथ सिलाई के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली महिला उद्यमियों को (पैर द्वारा चालित) उषा सिलाई मशीन, एक प्रमाण पत्र, एक प्रशिक्षण-किट और एक उषा स्वावलंबन सिलाई स्कूल साइनेज बोर्ड प्रदान किया जाता है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI) under its flagship initiative Mission Swavalamban, in partnership with Usha International Limited (UIL) has commenced training of 35 women per batch each at Ghazipur district of Uttar Pradesh and Gaya District of Bihar to promote entrepreneurship at the village level. Called the 'Usha Swavalamban Silai School', the primary aim of these centres set up under this initiative is to empower women by imparting sewing and stitching skills and encourage them to venture into entrepreneurship. Training is imparted on various aspects of stitching along with maintenance and repairing of sewing machine by expert trainers of UIL. The women entrepreneurs successfully completing the training program are provided with Usha Sewing machine (leg paddle driven), certificate, training-kit, and Usha Swavalamban Silai School Signage board.

गाज़ीपुर और गया की 70 महिलाओं का प्रशिक्षण पहले ही पूरा हो चुका है और उम्मीद है कि ये प्रशिक्षित महिलाएँ (मास्टर ट्रेनर) बदले में अन्य महिलाओं को उसी या पड़ोसी गाँव में अपना सिलाई स्कूल स्थापित करना सिखाएँगी। इन दोनों जिलों की 70 महिलाओं का दूसरा बैच चल रहा है और अगले कुछ दिनों में प्रशिक्षण पूरा हो जाएगा। प्रत्येक मास्टर ट्रेनर औसतन 20 महिलाओं को प्रशिक्षित करता है। पिछला ट्रेंड यह दर्शाता है कि इन 20 में से 2 के द्वारा

अपने सिलाई स्कूल स्थापित किए गए हैं, जिन्हें सैटेलाइट स्कूल कहा जाता है और इस तरह यह गुणक प्रभाव पैदा करता है।

Training of 70 women from Ghazipur and Gaya has already been completed and it is expected that these trained women (master trainers) in turn would teach other women to establish their own Silai schools in the same or neighboring village. Second batch of 70 women in these two districts are going on and will be completed in the next few days. On an average, each master trainer trains 20 women. Out of these 20, past trend indicates that, 2 set up their own Silai schools, termed as satellite schools, thereby creating a multiplier effect.

सिडबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि "हमारा लक्ष्य इस पहल के अंतर्गत आगामी 1 वर्ष की अवधि में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और तेलंगाना इन पाँच राज्यों में स्थित 10 जिलों के 1000 गाँवों में ऐसे 1000 स्वावलंबन विद्यालयों की स्थापना के जरिए उद्यमिता को बढ़ावा देना है। सिडबी का उद्देश्य, इस ग्रामीण पहल के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना, जीविकोपार्जन का प्रबंध करना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और इस प्रकार अंततः निर्धनता के दुष्चक्र को समाप्त करना है।"

Shri Mohammad Mustafa, IAS, Chairman and Managing Director of SIDBI said, "We aim to promote entrepreneurship under this initiative through setting up of 1000 such Swavalamban Schools in 1000 villages of 10 districts in five states namely, Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand, Rajasthan and Telangana in the next one year. Through this rural initiative, SIDBI aims to impart skills, provide livelihood, promote entrepreneurship and ultimately break the cycle of poverty."

प्रथम सत्र के प्रशिक्षण की समाप्ति के अवसर पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए उषा सोशल सर्विसेज, उषा इंटरनेशनल की मैरी रूपा टेटे ने कहा कि "इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समस्त प्रतिभागियों की जुनूनी क्रियाशीलता और उनके द्वारा किए गए कठिन परिश्रम को देखकर हमें अत्यधिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। हम आशा करते हैं कि अपने नए कौशल-संपन्न स्वरूप में प्रत्येक प्रशिक्षित सदस्य शीघ्र ही अपनी उद्यमिता के स्वप्न को साकार करने के लिए अपनी उद्यम-यात्रा आरंभ कर देंगे। यह सिडबी के साहचर्य से एक अद्भुत जययात्रा का महत्तर प्रस्थान बिंदु है।"

Commenting on the completion of the first batch of training, Mary Rupa Tete, Vice President-Usha Social Services of Usha International, said, "It gives us great pleasure to see the passion and the hard work each of the participants have brought to these trainings. We are sure that armed with their newfound skills, each one of them will soon be on their journey to chasing their entrepreneurial dreams. It's a great beginning to an amazing journey with SIDBI."

उषा सिलाई स्कूल के बारे में: सिलाई स्कूल कार्यक्रम, उषा इंटरनेशनल लिमिटेड की अखिल भारतीय समुदाय आधारित ग्रामीण पहल है। इस सामाजिक पहल का उद्देश्य भारत के सुदूर पुरवों, बस्तियों और गाँवों में रहने वाले समुदायों के हाशिए पर रहने वाली महिलाओं को सशक्त बनाना है। 2011 में शुरू किये गए उषा सिलाई स्कूल के इस कार्यक्रम में वर्तमान में भारत के

सभी राज्यों में 21,219 सिलाई स्कूल, नेपाल में 100, श्रीलंका में 20 और भूटान में 3 उत्पादन केंद्र हैं। सिलाई स्कूल कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य महिलाओं को सिलाई, कटाई और उद्यमिता कौशल प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए आजीविका का विकल्प बनाना है। उसका दूसरा उद्देश्य आर्थिक सक्षमता के माध्यम से उसके परिवार और समुदाय के भीतर एक सामाजिक प्रतिष्ठा और पहचान बनाना है।

सिलाई स्कूलों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://www.ushasilaischool.com अवलोकन करें।

About Usha Silai School: The Silai School program is a pan India community based rural initiative of Usha International Ltd. This social initiative is aimed at empowering women from marginalized sections of the communities residing in the remote hamlets, habitations and villages of India. Initiated in 2011, Usha Silai School program at present has 21,219 Silai Schools across all the states of India, 100 in Nepal and 20 in Sri Lanka and 3 production centers in Bhutan. The primary objective of the Silai School program is to create a livelihood option for women by financially empowering them through imparting sewing and stitching and entrepreneurship skills. The secondary objective is to create a social standing and recognition within her family and community through economic enablement.

For more details on Silai Schools, please visit https://www.ushasilaischool.com

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपने विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों।

अधिक जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in/ पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental measures.

For more information, please visit: https://www.sidbi.in/

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन मोबाईल: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in
Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in